

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने आज मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया

अहमदाबाद की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्विजयभाई रूपाणी जी तथा कई अन्य लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ

श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, अटल जी, आडवाणी जी से लेकर नरेंद्र मोदी जी तक, भाजपा ने दशकों तक बेदाग रहकर देश की सेवा करने वाले नेता देश को दिए हैं

सुरक्षित, विकसित और समृद्ध महान भारत की परिकल्पना भाजपा के मूल में समाहित है और मोदी सरकार इसे जमीन पर उतार रही है

मोदी सरकार के 11 वर्ष अंत्योदय के 11 वर्ष हैं - 26 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाया गया, 7 करोड़ लोगों को घर, बिजली, पानी, शौचालय, स्वास्थ्य बीमा और किसानों को ₹6000 की सहायता प्रदान की गई

मोदी सरकार के 11 वर्ष राष्ट्रीय सुरक्षा के 11 वर्ष हैं, मोदी जी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब यदि कोई भारत की भूमि या भारतवासियों पर हमला करेगा, तो उसे घर में घुसकर सजा दी जाएगी

11 वर्षों के अंदर विचारधारा के आधार पर काम करने वाली पार्टी कैसे काम करती है, यह हमारी सरकार ने करके दिखाया है। जनसंघ से लेकर भाजपा तक न हमारी विचारधारा बदली न हमारे संकल्प बदले

मैं स्पष्ट रूप से देख पर रहा हूँ कि आने वाले दशकों में देश में हर जगह सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही होगी और आज भारत के नक्शे पर जहाँ कमल नहीं है, वहाँ भी कमल जरूर खिलेगा

जनता जो हमें सम्मान दे रही है, वह हमारा व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पार्टी का सम्मान है, यह भाव प्रत्येक कार्यकर्ता में होना चाहिए

जिन सभी मुद्दों के लिए हमारे कार्यकर्ता हमारी स्थापना से संघर्ष करते थे, वे आज मोदी सरकार में पूरे हो गए हैं

सामाजिक और राजनीतिक जीवन में वही लोग परिवर्तन ला सकते हैं, जो आजीवन विद्यार्थी बनकर सीखने की भावना बनाए रखते हैं

मध्य प्रदेश, 14 जून, 2025 : केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह जी ने आज मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम में भारतीय जनता पार्टी, मध्य प्रदेश सांसद-विधायक प्रशिक्षण वर्ग के उद्घाटन समारोह को संबोधित किया। श्री अमित शाह जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि अहमदाबाद की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री विजयभाई रूपाणी जी तथा कई अन्य लोगों का हमने निधन देखा। मैं उन सभी को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

उन्होंने भाजपा के मूल सिद्धांतों को स्पष्ट करते हुए कहा कि सामाजिक और राजनीतिक जीवन में वही लोग परिवर्तन ला सकते हैं, जो आजीवन विद्यार्थी बनकर सीखने की भावना बनाए रखते हैं। भाजपा के नेता पार्टी के मूल उद्देश्य, संस्कृति और संस्कारों को आगे बढ़ाएं। जनता जो हमें सम्मान दे रही है, वह हमारा व्यक्तिगत सम्मान नहीं, बल्कि पार्टी का सम्मान है, यह भाव प्रत्येक कार्यकर्ता में होना चाहिए।

उन्होंने नेताओं के कर्तव्य पर प्रकाश डालते हुए कहा कि निजी प्रवृत्तियों से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में सोचना प्रत्येक नेता का कर्तव्य है। भाजपा की उत्पत्ति, कार्यसंस्कृति, सिद्धांत और उपलब्धियों को समझे बिना कोई भी भाजपा का प्रभावी कार्यकर्ता नहीं बन सकता। भाजपा की स्थापना उस समय हुई, जब कांग्रेस पर नेहरू जी का एकाधिकार हो गया था और कांग्रेस ने बिना चुनाव कराए ही शासन करना प्रारंभ कर दिया था। नेहरू जी की नीतियों के केंद्र में भारत की हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति नहीं थी, बल्कि पश्चिमी प्रभाव ही था। भारतीय मूल्यों और तत्वों के अभाव को देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी ने सरकार से इस्तीफा देकर भारतीय जनसंघ की स्थापना की। नेहरू-लियाकत समझौते के विरोध में उन्होंने त्यागपत्र दिया। इस देश की भूमि, परंपरा, सामाजिक जीवन और संस्कृति के विचार को ध्यान में रखकर जनसंघ की स्थापना की गई थी। जनसंघ का उद्देश्य सत्ता प्राप्ति नहीं, बल्कि देश को सही मार्गदर्शन देना था।

जनसंघ से लेकर भाजपा तक की स्थापना और मूल उद्देश्य को रेखांकित करते हुए श्री अमित शाह जी ने आगे कहा कि 11 सदस्यों से शुरू हुई जनसंघ आज भाजपा के माध्यम से 11 करोड़ सदस्यों की पार्टी बन चुकी है। 1950 से 2025 तक की इस यात्रा में हम उन महान उद्देश्यों की प्राप्ति को देख सकते हैं। भाजपा की आत्मा उसके कार्यकर्ताओं में बसती है और हम जीत के लिए नहीं, सिद्धांतों के लिए संघर्ष करते हैं। देश में विचारधारा के आधार पर पहली बार किसी राजनीतिक दल की स्थापना हुई और इसके मूल में अंत्योदय का सिद्धांत रखा गया। सुरक्षित, समृद्ध और विकसित राष्ट्र की परिकल्पना भाजपा के मूल में समाहित है। जिस भाजपा का कभी राजीव गांधी जी ने "हम दो, हमारे दो" कहकर मजाक उड़ाया था, आज उसी कांग्रेस को दस वर्षों तक विपक्ष का दर्जा भी नहीं मिल सका।

श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी से लेकर नरेंद्र मोदी जी तक, भाजपा में ऐसे कार्यकर्ता हुए हैं, जिन्होंने अंतिम सांस तक विचारधारा के लिए कार्य किया। देश को कांग्रेस से सदाचार और भाजपा से

दुराचार की अपेक्षा नहीं है। एक देश में दो विधान, दो निशान और दो प्रधानमंत्री नहीं होंगे, इसके लिए श्यामाप्रसाद मुखर्जी जी ने संघर्ष किया और धारा 370 के विरोध में शहादत दी।

धारा 370 के खिलाफ आंदोलन से लेकर राम जन्मभूमि आंदोलन तक, भाजपा ने कभी चुनाव जीतना अपना उद्देश्य नहीं बनाया। भारत की समृद्धि का मार्ग अंत्योदय है, समाज के सबसे गरीब व्यक्ति को मुख्यधारा में लाकर देश को समृद्ध बनाना ही हमारा लक्ष्य है।

बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, जिन्हें कभी बीमारू राज्य कहा जाता था, में जैसे-जैसे भाजपा की सरकार बनी, वे राज्य समृद्धि की ओर अग्रसर हुए। हमने दीनदयाल उपाध्याय जी के राष्ट्रवाद के सिद्धांत से कभी समझौता नहीं किया। विकेंद्रित विकास की अवधारणा अंत्योदय से जुड़ी होती है, जो समृद्ध राज्य की आधारशिला और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का पोषण करती है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी, अटल जी, आडवाणी जी से लेकर नरेंद्र मोदी जी तक, भाजपा ने दशकों तक बेदाग रहकर देश की सेवा करने वाले नेता दिए हैं। 11 वर्षों के अंदर विचारधारा के आधार पर काम करने वाली पार्टी कैसे काम करती है, यह हमारी सरकार ने करके दिखाया है। जनसंघ से लेकर भाजपा तक न हमारी विचारधारा बदली न हमारे संकल्प बदले।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की सरकार की उपलब्धियों को स्पष्ट करते हुए श्री शाह ने कहा कि मोदी जी की सरकार बनते ही भाजपा कार्यकर्ताओं की वर्षों की तपस्या का फल मिला। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी और दीनदयाल उपाध्याय जी का सपना साकार हुआ। पहली बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनी। 11 वर्षों में 26 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला गया, 4 करोड़ से अधिक लोगों को घर, पानी, बिजली, गैस, शौचालय और ₹5 लाख का आयुष्मान भारत स्वास्थ्य कवर तथा किसानों को सालाना ₹6,000 सहायता दी गई। कोई कल्पना नहीं कर सकता था कि धारा 370 हटाई जा सकती है, लेकिन मोदी जी ने यह कर दिखाया। नक्सलवाद समाप्ति के कगार पर है, पूर्वोत्तर में अशांति का दौर समाप्त हो गया। जम्मू-कश्मीर में अब कोई नौजवान बंदूक

नहीं उठाता। हमने उरी और पुलवामा आतंकी हमले का सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक से करारा जवाब दिया और पहलगाम हमले के जवाब में पाकिस्तान में घुसकर आतंकियों के अड्डे ध्वस्त कर दिए। मोदी सरकार के 11 वर्ष राष्ट्र सुरक्षा के 11 वर्ष हैं। मोदी जी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब यदि कोई भारत की भूमि या भारतवासियों पर हमला करेगा, तो उसे घर में घुसकर सजा दी जाएगी। आजादी के बाद देशहित में सबसे बड़ा निर्णय सिंधु जल समझौता समाप्त करने का रहा, जो नेहरू जी के समय एकतरफा था।

मोदी जी के नेतृत्व में भारत 11वें स्थान से छलांग लगाकर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनी है और जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाली है। एक समृद्ध राष्ट्र की परिकल्पना को साकार किया गया है। चाहे वह इंफ्रास्ट्रक्चर हो, GST, R&D, अटल टिकरिंग लैब्स, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना हो या सुपर कंप्यूटर, जो 60 वर्षों में नहीं हो पाया, वह 11 वर्षों में संभव हुआ। आने वाले दशकों में देश में हर जगह सिर्फ और सिर्फ भाजपा ही होगी और आज भारत के नक्शे पर जहाँ कमल नहीं है, वहाँ भी कमल जरूर खिलेगा।

श्री शाह ने आगे कहा कि आज 81 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज, 15 करोड़ घरों में नल से जल, 12 करोड़ से अधिक शौचालय, 68 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को ऋण और 60% मंत्रिमंडल में SC/ST/OBC प्रतिनिधित्व है। 55 करोड़ से अधिक जनधन खाते खोले गए हैं। हर गाँव तक बिजली पहुंच चुकी है। हर दिन एक यूनिकॉर्न स्टार्टअप बन रहा है। विश्व भर के कुल डिजिटल ट्रांजैक्शनों में 49% अकेले भारत में होते हैं। 142 वन्दे भारत ट्रेन, 162 नए एयरपोर्ट बने हैं और नक्सली हिंसा लगभग समाप्त हो गई है।

एक विचारधारा आधारित पार्टी सत्ता में आए तो देश कैसे चलता है, यह हमने पिछले 11 वर्षों में सिद्ध कर दिया है। 550 वर्षों बाद राम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बना। काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, महाकाल लोक, नई संसद, कर्तव्य पथ, सुभाष बाबू की प्रतिमा और सेंगोल की संसद में स्थापना, सब भारत की सांस्कृतिक पुनरुत्थान के प्रतीक हैं। मोदी जी को 15 से अधिक देशों

का सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिला है। नई शिक्षा नीति में भाषाओं और कलाओं को सम्मान मिला है। मेडिकल और इंजीनियरिंग की पढ़ाई अब भारतीय भाषाओं में हो रही है, मध्य प्रदेश पहला राज्य है जहाँ इसे लागू किया गया। जिन सभी मुद्दों के लिए हमारे कार्यकर्ता हमारी स्थापना से संघर्ष करते थे, वे आज मोदी सरकार में पूरे हो गए हैं।

भाजपा कार्यकर्ताओं को संवाद की परंपरा बनाए रखनी चाहिए। भाजपा की पाँच निष्ठाएँ हैं - राष्ट्रवाद, लोकतंत्र, सामाजिक-आर्थिक विषयों पर गांधीवादी दृष्टिकोण, पंथनिरपेक्षता, और मूल्यों पर आधारित राजनीति। इन्हीं सिद्धांतों पर अटल जी ने पहले अधिवेशन में प्रस्ताव पारित किया था। मेरा विश्वास है कि 2047 तक भारत विश्व का नंबर 1 राष्ट्र बनेगा और भारत माता को सम्पूर्ण तेज के साथ विश्व में स्थापित होते हम देख सकेंगे। संवाद, सिद्धांतों पर आचरण और अपने से नीचे के कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने का प्रयास ही भाजपा की पहचान होनी चाहिए।